RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 09 अक्टूबर 2023 वर्ष 05 अंक 166 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

'इस साल के बजट में...', महाराष्ट्र में जरूरतमंदों के इलाज पर क्या बोले उपमुख्यमंत्री फडणवीस?

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि सरकार ने राज्य में स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत करने के लिए काफी धनराशि का आवंटन किया है और जरूरतमंदों के इलाज के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है. फडणवीस ने कहा कि इस साल के बजट में सरकार ने राज्य के हर जिले में सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना की घोषणा की है और 14 जिलों में ये संस्थान स्थापित किये जा रहे हैं और अन्य जिलों में ऐसे संस्थानों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है.

महाराष्ट्र जिला कलेक्टरों को चिकित्सा निधि के उपयोग का अधिकार

गुरुवार को कलेक्टरों को दवाओं की खरीद के लिए जिला योजना विकास समिति (डीपीडीसी) के पास उपलब्ध 100 फीसदी चिकित्सा निधि का उपयोग करने का अधिकार दिया. पहले वे इसका सिर्फ 10 फीसदी ही इस्तेमाल कर पाते थे. इसके अतिरिक्त, नांदेड़ घटना के मद्देनजर, स्वास्थ्य विभाग ने किसी भी संभावित कमी को दूर करने के लिए आवश्यक और जीवन रक्षक दवाएं तत्काल खरीदने का निर्णय लिया है. महामारी के दौरान, आपातकालीन खरीद की सुविधा के लिए जिलों को समान शक्तियां सौंपी गईं. डीपीडीसी निधि का एक निश्चित हिस्सा चिकित्सा आपूर्ति के लिए नामित किया गया है. हालांकि, जिले इस आवंटन का केवल 10 फीसदी ही खर्च करने में सक्षम थे, शेष 90 फीसदी हाफकिन बायोफार्मास्युटिकल द्वारा थोक खरीद के लिए निर्देशित किया गया था.

क्या बोले डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस?

उपमुख्यमंत्री ने यहां एक सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय में स्वास्थ्य शिविर के उद्घाटन के मौके पर यह बात कही. इस अवसर पर राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल और अधिकारी भी मौजूद थे. फडणवीस ने कहा कि अकोला में पूर्ण क्षमता वाला एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल शीघ्र ही चालू होगा.

अयोग्यता याचिका पर सुनवाई टालने के आरोपों पर बोले विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर, 'सदन के बाहर के बयानों पर नहीं देता ध्यान'

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने सीएम एकनाथ शिंदे के गुट वाली शिवसेना विधायकों के खिलाफ दायर अरोग्यता याचिकाओं के संबंध में 23 नवंबर से सुनवाई शुरू करने का फैसला किया है. वहीं, उद्धव ठाकरे के गुट वाली शिवसेना ने सुनवाई में देरी के आरोप लगाए हैं. इस पर अब राहुल नार्वेकर की प्रतिक्रिया आई है और उन्होंने कहा कि वह उन लोगों के बयान पर ध्यान नहीं देते जिन्हें संविधान की समझ नहीं है.

राहुल नार्वेकर ने रविवार को पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए. नार्वेकर ने कहा, ''मैं सदन के बाहर किसी व्यक्ति द्वारा दिए गए बयान पर ज्यादा ध्यान नहीं देता, खासकर उनपर जिनको संविधान के प्रावधानों की जानकारी नहीं है. और जिनको इस बात की जानकारी नहीं है कि अयोग्यता याचिका पर कौन से नियम लागू होते हैं. मैं ऐसे आरोपों से प्रभावित नहीं होता.'' दरअसल, शिवसेना यूबीटी नेता अनिल परब ने इस देरी को सरकार की रणनीति करार दिया था और कहा कि मामले की सुनवाई में देरी का कोई कारण नहीं बनता है. यह मामला एक महीने में खत्म हो जाना चाहिए.

जल्द सुनवाई चाहता है ठाकरे परिवार

ठाकरे गुट इस मामले पर जल्द सुनवाई चाहता है. यह चाहता है कि सीएम शिंदे समेत सभी 16 विधायकों को अयोग्य करार दिया जाए. इसको लेकर पूर्व मंत्री और उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे भी सवाल उठा चुके हैं. उन्होंने बीते दिनों स्पीकर के प्रस्तावित विदेश दौरे पर भी सवाल उठाया था और कहा था कि उन्हें पहले अयोग्यता याचिका पर सुनवाई करनी चाहिए.

शिंदे गुट की है यह मांग...

जून 2022 में सीएम शिंदे और 39 विधायकों के मूल पार्टी से अलग होने के बाद शिवसेना के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों ने एक-दूसरे के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की थी. बता दें कि उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के वकील ने सभी याचिकाओं को एकसाथ सुनने की मांग की है जबकि शिंदे गुट के वकील की मांग है कि सभी याचिकाओं पर अलग-अलग सुनवाई होनी चाहिए.

टोल में वृद्धि को लेकर मुख्यमंत्री शिंदे से मिलेंगे राज ठाकरे, इन मुद्दों पर भी करेंगे चर्चा...

ठाणे : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को कहा कि वह टोल बढ़ोतरी के मुद्दे पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात करेंगे। इस मामले को लेकर उनकी पार्टी के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं।

टोल वृद्धि और राज्य के लोगों से जुड़े अन्य मुद्दों पर करेंगे चर्चा

टोल बढ़ोतरी के विरोध में पिछले चार दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे पार्टी नेता अविनाश जाधव से मुलाकात के बाद ठाकरे ने ठाणे में पत्रकारों से बात की। एक अक्टूबर से टोल में इजाफा प्रभावी हुआ है। मनसे प्रमुख ने कहा कि वह अगले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री से मिलेंगे और टोल वृद्धि और राज्य के लोगों से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि शिवसेना-भाजपा के पिछले गठबंधन ने अपने चुनाव घोषणापत्र में महाराष्ट्र को टोल मुक्त बनाने का वादा किया था, लेकिन वादा पूरा नहीं किया गया। मनसे प्रमुख ने कहा कि चुनाव के दौरान सत्तारूढ़ दल जो भी वादा करता है, वह एक धोखा है। लोगों को वोट डालते समय इसका एहसास होना चाहिए।

वह लोगों को नाराज नहीं कर सकते

ठाकरे ने दावा किया कि शिंदे ने अतीत में टोल के संबंध में अदालत में एक याचिका दायर की थी और बाद में इसे वापस ले लिया। मनसे प्रमुख ने सवाल किया कि किसके निर्देश पर उन्होंने याचिका वापस ली थी। ठाकरे ने कहा, सत्तारूढ़ दल को यह ध्यान में रखना चाहिए कि चुनाव नजदीक हैं और वह लोगों को नाराज नहीं कर सकते।

मुंबई से चंद किलोमीटर दूर मीरा भाईंदर, बिजली, पानी, सड़क समेत सुविधाएं हजारों मील दूर!

मीरा-भाईंदर: पालघर, भिवंडी, कल्याण-डोंबिवली के दूर-दराज गांवों से अक्सर खबरें आती हैं कि वहां मूलभूत सुविधाओं की कमी है। लेकिन, मीरा-भाईंदर, मुंबई से सटा हुआ है, वहां भी एक इलाका ऐसा हैं जहां पिछले 10 साल से बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं। यह इलाका है काशिगांव का मासचा पाडा। मासचा पाडा में लगभग 1,900 परिवार रहते हैं और आज भी इन परिवारों का जीवन रोज एक संघर्ष है। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि मीरा-भाईंदर के जिस प्रभाग में यह क्षेत्र आता है, उस प्रभाग से शहर को ज्योत्स्ना

हसनाले के रूप में महापौर भी मिल चुकी हैं। लेकिन, इस प्रभाग से चुनकर ढाई साल महापौर बनने के बावजूद वह इस परिसर के लोगों में जीवन उजाला नहीं कर पाईं।

10 साल से बिना बिजली के जीवन

कैलाश यादव अपनी पत्नी सरिता यादव और 2 बच्चों के साथ यहां 10 साल से रहते हैं। सरिता यादव बताती हैं कि विगत 10 साल से वह बिजली का इंतजार कर रही हैं। उनके दोनों बच्चों ने बिना बिजली के पढ़ाई की है। बिजली न होने के कारण गर्मी के महीने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

दिनेश मौर्य भी 10 साल से यहां रहते हैं। वह बताते हैं कि सभी लोग पैसा जमाकर एक टैंकर पानी मंगाते हैं और उसे बांट लेते हैं। इस पानी को 7 दिन तक स्टोर कर रखना पड़ता है, क्योंकि टैंकर 7 दिन में एक ही बार मंगाया जाता है। 5-6 हजार की बस्ती में एमबीएमसी का कोई शौचालयों नहीं है। लोगों ने अपने पैसे जमा कर कुछ शौचालयों का निर्माण तो करवाया है, लेकिन वे शौचालय के नाम पर टूटे दरवाजों के साथ खड़े ढांचा मात्र हैं।

मासचा पाडा मुंबई से कुछ किलोमीटर की दूरी पर बसा है, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं यहां आते-आते दम तोड़ देती हैं।

सोलर लैंप की रोशनी में की पढ़ाई

सरिता के दोनों बच्चों ने सोलर से चलने वाली एक छोटी सी लाइट की रोशनी में पढ़ाई की है। आज बड़ी लड़की बारहवीं और लड़का दसवीं में पढ़ रहा है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बेटी ने दसवीं में 85 फीसदी से अधिक अंक हासिल किए हैं। इस परिसर के ज्यादातर बच्चों का यही हाल है। स्थानीय समाजसेवक रामभुवन शर्मा के प्रयासों से अब इस यहां पर बिजली देने का काम शुरू हो रहा है और कुछ घरों तक कनेक्शन पहुंचे हैं।

कूड़े के ढेर में मिला नवजात शिशु, पालघर पुलिस कर रही जांच

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक अज्ञात व्यक्ति नवजात शिशु को कूड़े के ढेर में डालकर चला गया. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को दहानू शहर के लोनीपाड़ा में कूड़े के ढेर के पास से गुजर रहे एक व्यक्ति को यह बच्चा नजर आया तथा उसने पुलिस को इसकी सूचना दी. पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है. उन्होंने बताया कि शिशु को एक अस्पताल में ले जाया गया जहां वह एक महिला पुलिस कांस्टेबल की देखरेख में है.

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

बदल जाएंगे समीकरण

जाति आधारित गणना के नतीजे जारी कर बिहार ने देश की राजनीति को फिर एक घुमावदार मोड़ दे दिया है। चाहे सत्तर के दशक में आपातकाल के खिलाफ जेपी आंदोलन हो या नब्बे के दशक में शुरू हुई मंडल राजनीति– बिहार ने दोनों मौकों पर बदलाव की अगुआई की थी। अब जब पिछले करीब एक दशक से देश में कथित सेकुलर राजनीति को विस्थापित करती हुई राष्ट्रवादी राजनीति हावी दिख रही थी, जाति आधारित गणना के नतीजों के रूप में बिहार ने ऐसा धमाका किया है, जिसके अंदर चुनावी राजनीति के समीकरण बदलने का माद्दा है। खैर, अभी तो सब इसी गणना में लगे हैं कि अगर पिछड़े और अति पिछड़े मिलकर राज्य की आबादी का दो तिहाई हो जाते हैं तो फिर इसकी काट के तौर पर दूसरा कौन सा समीकरण पेश किया जा सकता है। चूंकि बिहार सरकार ने जाति आधारित गणना की रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी है, तो अब केंद्र की इखढ सरकार का यह तर्क निरर्थक हो गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा करना व्यावहारिक रूप में संभव नहीं है। अब हर तरफ से यही सवाल उठेगा कि जब एक राज्य में संभव हो गया तो दूसरे राज्यों में और राष्ट्रीय स्तर पर भी यह काम क्यों नहीं हो सकता। चूंकि इस सवाल का कोई संतोषजनक जवाब उपलब्ध नहीं है, इसलिए इखढ नेताओं का भी मुख्य स्वर यही हो गया है कि वे जाति आधारित गणना के खिलाफ नहीं हैं और बिहार सरकार के फैसले में भी शुरू से शामिल रहे हैं।

लेकिन सवाल यह है कि जातिगत जनगणना के मसले पर पॉजिटिव रुख दिखाकर इखढ क्या कठ.ऊ.क.अ गठबंधन के मुकाबले बढ़त बना पाएगी? अक्सर ऐसा होता है कि जिस मुद्दे पर जिसने शुरूआत की, उसे उसका लाभ भी तुलनात्मक रूप से अधिक होता है। जाति जनगणना के मामले में यह काम खऊ्र और फखऊ ने किया है, जो इखढ के खिलाफ बने कठ.ऊ.क.अ गठबंधन का हिस्सा हैं। लेकिन इसके साथ यह भी याद रखना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। ऐसे में किसी भी चुनाव में मोदी फैक्टर की अनदेखी नहीं की जा सकती। दूसरी ओर, यह सवाल भी बना हुआ है कि क्या यह मुद्दा चुनाव तक प्रासंगिक बना रहेगा! राजनीति में तो एक सप्ताह का वक्त भी लंबा माना जाता है, ऐसे में 6 महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव तक बहुत कुछ बदलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। दूसरी बात यह कि 2023 का भारत नब्बे के दशक के भारत से अलग है। जाति आज भी महत्वपूर्ण है, लेकिन वह हमारी आजीविका, सोच और खासकर वोटिंग बिहेवियर को उस तरह से प्रभावित नहीं करती, जैसे नब्बे के दशक में करती थी। इसलिए देखना होगा कि यह मुद्दा लोगों तक किस रूप में पहुंचता है, राजनीतिक दल खुद को इसके लिए किस तरह से तैयार करते हैं और जातीय गणित से आगे इसकी केमिस्ट्री किस तरह से विकसित होती है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

महिला ने घर में सास पर बेरहमी से हमला किया, पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की

ठाणे: इंटरनेट पर ठाणे शहर से एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है जिसमें एक महिला को उसके घर में एक बुजुर्ग महिला पर क्रूर हमला करते देखा जा सकता है। कथित तौर पर जिस महिला की पिटाई की जा रही है वह वीडियो में दिख रही दूसरी महिला की सास बताई जा रही है। सीसीटीवी में कैद हमले की कहानी ठाणे के कोपरी के सिद्धार्थ नगर इलाके से सामने आई है।

वायरल वीडियो में क्रूर हमले को दिखाया गया है

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला बुजुर्ग महिला पर फब्तियां कस रही है। वह अपनी सास को घर छोड़ने के लिए कहती नजर आ रही हैं। जवाब में बुजुर्ग महिला उसे भी गालियां देती है. मौखिक झगड़े से उसकी बहू गुस्से में आ जाती है। फिर वह बूढ़ी औरत की ओर दौड़ती है, उसे ऊपर खींचती है, उसे फर्श पर धक्का देती है और उसे फर्श पर भी खींचती है। फिर वह अपनी असहाय सास के खिलाफ दुर्व्यवहार जारी रखती है, जो फर्श पर लेटी हुई दर्द से कराहती हुई दिखाई देती है। हैरानी की बात यह है कि किचन में एक और महिला खड़ी है, जो सारा तमाशा देख रही है लेकिन वह बूढ़ी महिला के बचाव में नहीं आती है। सीसीटीवी फुटेज की तारीख की मोहर से पता

चलता है कि घटना 14 सितंबर को हुई थी। हालांकि, वीडियो हाल ही में वायरल हो गया है, जिसने ठाणे पुलिस का ध्यान आकर्षित किया है।

ठाणे के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सीसीटीवी फुटेज साझा किया। उन्होंने बुजुर्ग महिला की पहचान यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, कपूरबावड़ी में कार्यरत कोमल ललित दयारामनी (53 वर्षीय) के रूप में की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कोपरी पुलिस ने इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की है. हालांकि, ठाणे सिटी पुलिस ने वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए मामले में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

वायरल वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया में ठाणे सिटी पुलिस ने पोस्ट किया, ''ठाणे सिटी पुलिस से संपर्क करने के लिए धन्यवाद। आपकी जानकारी आवश्यक कार्रवाई के लिए कोपरी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को दे दी गई है।''

ठाणे शहर जहां एक महिला को उसके घर में एक बुजुर्ग महिला पर क्रूर हमला करते देखा जा सकता है। कथित तौर पर जिस महिला की पिटाई की जा रही है वह वीडियो में दिख रही दूसरी महिला की सास बताई जा रही है। सीसीटीवी में कैद हमले की कहानी ठाणे के कोपरी के सिद्धार्थ नगर इलाके से सामने आई है।

वायरल वीडियो में क्रूर हमले को दिखाया गया है

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला बुजुर्ग महिला पर फब्तियां कस रही है। वह अपनी सास को घर छोड़ने के लिए कहती नजर आ रही हैं। जवाब में बुजुर्ग महिला उसे भी गालियां देती है. मौखिक झगड़े से उसकी बहू गुस्से में आ जाती है। फिर वह बूढ़ी औरत की ओर दौड़ती है, उसे ऊपर खींचती है, उसे फर्श पर धक्का देती है और उसे फर्श पर भी खींचती है। फिर वह अपनी असहाय सास के खिलाफ दुर्व्यवहार जारी रखती है, जो फर्श पर लेटी हुई दर्द से कराहती हुई दिखाई देती है। हैरानी की बात यह है कि किचन में एक और महिला खड़ी है, जो सारा तमाशा देख रही है लेकिन वह बूढ़ी महिला के बचाव में नहीं आती है। सीसीटीवी फुटेज की तारीख की मोहर से पता चलता है कि घटना 14 सितंबर को हुई थी। हालांकि, वीडियो हाल ही में वायरल हो गया है, जिसने ठाणे पुलिस का ध्यान आकर्षित किया है। ट्रिगर चेतावनीः दृश्य परेशान करने वाले हो सकते हैं। कृपया विवेक से देखें.

वायरल वीडियो पर ठाणे पुलिस की प्रतिक्रिया

ठाणे के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सीसीटीवी फुटेज साझा किया। उन्होंने बुजुर्ग महिला की पहचान यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, कपूरबावड़ी में कार्यरत कोमल ललित दयारामनी (53 वर्षीय) के रूप में की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कोपरी पुलिस ने इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की है. हालांकि, ठाणे सिटी पुलिस ने वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए मामले में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

कांग्रेस विधायक असलम शेख को गैंगस्टर गोल्डी बरार से मिली जान से मारने की धमकी, जांच जारी

मुंबईः कांग्रेस नेता और मलाड पश्चिम के विधायक असलम शेख को कथित तौर पर गैंगस्टर गोल्डी बरार होने का दावा करने वाले एक कॉलर से जान से मारने की धमकी मिलने के बाद रविवार को मुंबई के मलाड में बांगुर नगर पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज की है। बराड़, जिसे सतिंदरजीत सिंह के नाम से भी जाना जाता है, एक भगोड़ा कनाडाई गैंगस्टर है जो खतरनाक गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से जुड़ा हुआ है। गौरतलब है कि बराड़ पहले भी बॉलीवुड स्टार सलमान खान को धमकियां दे चुके हैं।

धमकी भरे कॉल का विवरण

पुलिस में शिकायत शेख के निजी सहायक और वकील विक्रम कपूर ने दर्ज कराई थी, जो विधायक के मोबाइल फोन कॉल का प्रबंधन करते हैं। शिकायत के अनुसार, कपूर को 5 अक्टूबर को शेख के मोबाइल फोन पर एक कॉल आया। फोन करने वाले ने खुद को गोल्डी बरार बताते हुए शेख को जान से मारने की धमकी देते हुए कहा, ''मैं गोल्डी बरार बोल रहा हूं। मैं असलम शेख को दो दिन में गोली मारकर उड़ाने वाला हूं। ये असलम शेख को बता दो. (मैं गोल्डी बरार बोल रहा हूं। मैं असलम शेख को दो दिन में गोली मार दूंगा। यह बात असलम शेख को बताओ)।'' कपूर ने तुरंत पुलिस को कॉल की सूचना दी, और उन्हें कॉल करने वाले से जुड़े दो फोन नंबर उपलब्ध कराए।

पुलिस कार्रवाई और जांच

कपूर के बयान के आधार पर, बांगुर नगर पुलिस ने प्रदान किए गए दो मोबाइल नंबरों के पंजीकृत उपयोगकर्ता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 506 (2) और 507 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने मामले की तेजी से जांच शुरू कर दी है और धमकी भरे कॉल से संबंधित आवश्यक विवरण जुटाने के लिए सेवा प्रदाता तक पहुंच गई है।

अफगानिस्तान के हेरात और अन्य पश्चिमी प्रांतों में आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या 2,000 से अधिक

काबुलः अफगानिस्तान के हेरात और अन्य पश्चिमी प्रांतों में आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या 2,000 से अधिक हो गई है. चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र के अनुसार, शनिवार को अफगानिस्तान में 6.2 तीव्रता के दो भूकंप आए। प्रभावित प्रांतों में हेरात के अलावा बदगीस और फराह भी शामिल हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पहले कहा था कि बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में भेजे गए हैं।

श्रीधाम, नर्मदा, जनशताब्दी, इण्टरसिटी एवं मेमू सहित कई ट्रेनें निरस्त

जबलपुर : पमरे, भोपाल मण्डल के भोपाल-इटारसी रेल खंड पर बुदनी-बरखेड़ा (घाट सेक्शन) के मध्य तीसरी लाइन चालू करने के सम्बंध में बुदनी, मिडघाट, चौका एवं बरखेड़ा स्टेशनों पर प्री नॉन/नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाना है। प्री नॉन/नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के दौरान इस खंड पर चल रहीं कुछ गाड़ियों को निर्धारित तिथियों में प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। निरस्त की जाने वाली गाड़ियां- 1- गाड़ी संख्या 19343 इंदौर-सिवनी पँचवेली एक्सप्रेस दिनांक 15.10.2023 से 27.10.2023 तक तथा गाड़ी संख्या 19344 छिंदवाड़ा-इंदौर पँचवेली एक्सप्रेस दिनांक 16.10.2023 से 28.10.2023 तक निरस्त रहेगी।

2- गाड़ी संख्या 12153 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रानी कमलापति एक्सप्रेस दिनांक 26.10.2023 को तथा गाड़ी संख्या 12154 रानी कमलापति-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 27.10.2023 को निरस्त रहेगी। 3- गाड़ी संख्या 22187/22188 रानी कमलापति-अधारताल-रानी कमलापति इंटरसिटी एक्सप्रेस दिनांक 25.10.2023 से 27.10.2023 तक दोनों दिशाओं में निरस्त रहेगी। 4- गाड़ी संख्या 12061 रानी कमलापति-जबलपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस दिनांक 15.10.2023 से 27.10.2023 तक तथा गाड़ी संख्या 12062 जबलपुर-रानी कमलापति जनशताब्दी एक्सप्रेस दिनांक 16.10.2023 से 28.10.2023 तक निरस्त रहेगी।

5- गाड़ी संख्या 06603/06604 बीना-कटनी मुड़वारा-बीना मेमू स्पेशल दिनांक 15.10.2023 से 27.10.2023 तक निरस्त रहेगी। 6- गाड़ी संख्या 02575 हैदराबाद डेकन नामपल्ली - गोरखपुर जंक्शन एक्सप्रेस दिनांक 13.10.2023 एवं 20.10.2023 को तथा गाड़ी संख्या 12576 गोरखपुर - हैदराबाद डेकन नामपल्ली एक्सप्रेस दिनांक 15.10.2023 एवं 22.10.2023 को निरस्त रहेगी। 7- गाड़ी संख्या 14624 फिरोजपुर छावनी जंक्शन-सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस दिनांक 14.10.2023 से 27.10.2023 तक तथा गाड़ी संख्या 14623 सिवनी-फिरोजपुर छावनी जंक्शन पातालकोट एक्सप्रेस दिनांक 15.10.2023 से 28.10.2023

तक निरस्त रहेगी।

8- गाड़ी संख्या 05303 गोरखपुर-महबूबनगर एक्सप्रेस दिनांक 14.10.2023 एवं 21.10.2023 को तथा गाड़ी संख्या 15304 महबूबनगर - गोरखपुर एक्सप्रेस दिनांक 16.10.2023 एवं 23.10.2023 को निरस्त रहेगी। 9- गाड़ी संख्या 09715 हिसार-तिरुपति एक्सप्रेस दिनांक 14.10.2023 एवं 21.10.2023 को तथा गाड़ी संख्या 09716 तिरुपति-हिसार एक्सप्रेस दिनांक 17.10.2023 एवं 24.10.2023 को निरस्त रहेगी। 10-गाड़ी संख्या 12720 हैदराबाद डेकन नामपल्ली-जयपुर एक्सप्रेस दिनांक 16.10.2023 से 25.10.2023 तक तथा गाड़ी संख्या 12719 जयपुर-हैदराबाद डेकन नामपल्ली एक्सप्रेस दिनांक 18.10.2023 से 27.10.2023 तक निरस्त रहेगी।

11-गाड़ी संख्या 12923 डॉ अम्बेडकर नगर झनागपुर एक्सप्रेस दिनांक 24.10.2023 को तथा गाड़ी संख्या 12924 नागपुर-डॉ अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस दिनांक 25.10.2023 को निरस्त रहेगी। 12- गाड़ी संख्या 12192 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस दिनांक 15.10.2023 से 27.10.2023 तक तथा गाड़ी संख्या 12191 हजरत निजामुद्दीन -जबलपुर एक्सप्रेस दिनांक 16.10.2023 से 28.10.2023 तक निरस्त रहेगी। 13- गाड़ी संख्या 18234 एक्सप्रेस दिनांक 14.10.2023 से 26.10.2023 तक तथा गाड़ी संख्या 18233 इंदौर- बिलासपुर एक्सप्रेस दिनांक 15.10.2023 से 27.10.2023 तक निरस्त रहेगी। 14-गाड़ी संख्या 12171 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-हरिद्वार एक्सप्रेस दिनांक 16.10.2023 से 26.10.2023 तक तथा गाड़ी संख्या 12172 हरिद्वार -लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 17.10.2023 से 27.10.2023 तक निरस्त रहेगी। 15- गाड़ी संख्या 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस दिनांक 14.10.2023 से 25.10.2023 तक तथा गाड़ी संख्या 18235 भोपाल- बिलासपुर एक्सप्रेस दिनांक 16.10.2023 से 27.10.2023 तक निरस्त रहेगी। 16-गाड़ी संख्या 12405 भुसावल-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस दिनांक 15.10.2023 से 24.10.2023 तक तथा गाड़ी संख्या 12406 हजरत निजामुद्दीन-भुसावल एक्सप्रेस दिनांक 13.10.2023 से 22.10.2023 तक निरस्त रहेगी। 17-गाड़ी संख्या 20481 भगत की कोठी - तिरुच्चिरापल्ली हमसफर एक्सप्रेस दिनांक 18.10.2023 एवं 25.10.2023 को तथा गाड़ी संख्या 20482 तिरुच्चिरापल्ली - भगत की कोठी हमसफर एक्सप्रेस दिनांक 21.10.2023 एवं 28.10.2023 को निरस्त रहेगी।

18-गाड़ी संख्या 00653 रोयापुरम-पटेल नगर एक्सप्रेस दिनांक 15.10.2023 से 25.10.2023 तक तथा गाड़ी संख्या 00654 पटेल नगर -रोयापुरम एक्सप्रेस दिनांक 18.10.2023 से 28.10.2023 तक निरस्त रहेगी। 19-गाड़ी संख्या 00651 कोयम्बटूर नार्थ-पटेल नगर एक्सप्रेस दिनांक 14.10.2023 से 21.10.2023 तक तथा गाड़ी संख्या 00652 पटेल नगर -कोयम्बटूर नार्थ एक्सप्रेस दिनांक 18.10.2023 से 25.10.2023 तक निरस्त रहेगी। 20-गाड़ी संख्या 00629 यशवंतपुर-तुगलकाबाद एक्सप्रेस दिनांक 14.10.2023 से 24.10.2023 तक तथा गाड़ी संख्या 00630 तुगलकाबाद -यशवंतपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस दिनांक 18.10.2023 से 28.10.2023 तक निरस्त रहेगी। 21-गाड़ी संख्या 00637 सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु-ओखला एक्सप्रेस दिनांक 15.10.2023 से 22.10.2023 तक तथा गाड़ी संख्या 00638 ओखला -सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु एक्सप्रेस दिनांक 18.10.2023 से 25.10.2023 तक निरस्त रहेगी।

गेटवे की कंपनी के खाते को हैक करके निकाले 16,180 करोड़ रुपये

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में लोगों के एक समूह ने भुगतान गेटवे सेवा मुहैया कराने वाली एक कंपनी के खाते को कथित रूप से हैक कर अलग-अलग बैंक खातों से 16,180 करोड़ रुपये निकाल लिए। ठाणे पुलिस ने यह जानकारी दी।

नौपाडा थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह धोखाधड़ी लंबे अरसे से चल रही थी लेकिन मामला तब सामने आया जब महाराष्ट्र के ठाणे शहर में श्रीनगर थाने में एक शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस के मुताबिक, शिकायत में अप्रैल 2023 में यहां कंपनी के भुगतान गेटवे खाते को हैक कर उसमें से 25 करोड़ रुपये निकालने का आरोप लगाया गया था। अधिकारी ने प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि जब पुलिस ने मामले की जांच की तो 16,180 करोड़ रुपये का बड़ा घोटाला सामने आया। ठाणे अपराध शाखा के एक अधिकारी की शिकायत के बाद नौपाडा थाने में शुक्रवार को संजय सिंह, अमोल अंदाले, अमन,केदान, समीर दिघे, जितेन्द्र पांडेय और अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 409 (विश्वास का आपराधिक उल्लंघन), 467, 468 (जालसाजी), 120 बी (आपराधिक साजिश), 34 (समान इरादा) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। प्राथमिकी के मुताबिक, आरोपी जितेन्द्र पांडेय ने पूर्व में आठ से 10 वर्षों तक बैंकों में रिलेशनशिप एवं सेल्स मैनेजर के रूप में काम किया था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को संदेह है कि इस मामले में कई बड़े लोग शामिल हो सकते हैं और हो सकता है कि गिरोह ने पूरे भारत में कई कंपनियों और लोगों को अपना शिकार बनाया हो। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

भिवंडी तालुका के 16 ग्रामपंचायतों के 174 सदस्यों के साथ ही 10 ग्रामपंचायत में 5 नंबर को होगा उपचुनाव, छह नवंबर को मतगणना

16 से 20 अक्टूबर तक होगा नामांकन दाखिल,25 तक लिया जा सकता है नामांकन वापिस

तसिलदार अधिक पाटील ने की सार्वजनिक चुनाव की घोषणा,ग्रामीण क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी हुई तेज...

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी तालुका के 16 ग्रामपंचायतों के सार्वजनिक चुनाव सहित छह ग्राम पंचायत में खाली हुए सदस्यों का उपचुनाव 5 नंबर को किया जायेगा।जिसकी जानकारी तसिलदार अधिक पाटील ने दी है।जिसे लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। उन्होंने बताया कि तालुका के रहनाल, कालवार,कटई, खोणी जैसे बड़े ग्राम पंचायत सहित भोकरी,

महालुंगे, पायगांव, दीवे केवणी, मोरणी, वडुनवघर,कुसापुर, गोवे के साथ अनुसूचित सूची में समाविष्ट महालुंडे,ब्रजेश्वरी, पहारे, नांदीठाणे, चिंचवली के कुंदे सहित 16 ग्राम पंचायत के 174 सदस्यों के साथ सरपंच का चुनाव 5 नवंबर को होगा।इसके साथ ही दापोड़े, खांडवल, महापोली, तलवली,अर्जुनली, एकसाल ग्राम पंचायत में खाली हुए 10 सदस्यों का उपचुनाव भी इसी दिन किया जायेगा।जिसके लिए 16 से 20 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल किया जा सकेगा।साथ ही 23 अक्टूबर को भरे गए नामांकन फार्म की छटनी की जायेगी। इसके अलावा 25 अक्टूबर को दोपहर में तीन बजे तक नामांकन वापिस लिया जा सकता है।जिसके बाद चुनाव चिन्ह के वितरण के बाद पांच नवंबर को चुनाव होगा।जबकि छह नवंबर को मतगड़ना किया जाएगा।उक्त जानकारी देते हुए तसिलदार अधिक पाटील ने बताया कि चुनाव की घोषणा के साथ ही आचारसहिंता लागू कर दिया गया है।इधर चुनाव की घोषणा होते ही ग्रामीण इलाके में चुनावी सरगर्मी बढ़ गई है।यह चुनाव में तमाम राजनीतिक दलों का शक्ति प्रदर्शन भी यह चुनाव माना जा रहा है।जिसे लेकर तैयारी शुरू हो गई है।

बायकुला में आर्थर जेल में कैदियों को ड्रग्स सप्लाई करने के आरोप में कांस्टेबल गिरफ्तार

एनएम जोशी पुलिस ने एक पुलिस कांस्टेबल वीरेंद्र नाइक को बायकुला में आर्थर जेल में तैनात होने के दौरान कैदियों को ड्रग्स की आपूर्ति करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। नाइक कथित तौर पर अंडा सेल में एक कैदी को गांजा उपलब्ध करा रहा था। एक निरीक्षण के दौरान, अधिकारियों को नाइक के कमर क्षेत्र (उसके अंडरवियर के भीतर) के पास एक प्लास्टिक की थैली में छिपाए गए आठ कैप्सूल मिले, जिनमें कुल 70 ग्राम भांग थी। गिरफ्तारी आर्थर जेल

के निरीक्षण गेट पर हुई. जब एक कांस्टेबल जांच कर रहा था, तो नाइक ने कथित तौर पर कांस्टेबल को काट लिया और भागने का प्रयास किया। हालांकि, मुख्य द्वार पर ड्यूटी पर मौजूद एक अन्य कांस्टेबल उसे पकड़ने में कामयाब रहा, जिसके बाद एनएम जोशी पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम के तहत नाइक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

नाइक ने स्वीकार किया कि जब्त की गई दवाएं गांजा थीं और कहा कि वे राहुल नाम के व्यक्ति के लिए थीं। राहुल ने नाइक को निर्देश दिया कि वह इन दवाओं को आरोपी राशिद तक पहुंचाए, जो आर्थर रोड जेल में उच्च सुरक्षा वाले सर्कल 02 में है। नाइक को शनिवार को गिरफ्तार किया गया और वह सोमवार तक पुलिस हिरासत में रहेगा।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 09 अक्टूबर 2023

नीट कट-ऑफ शून्य होने के बाद पीजी मेडिकल फीस में बढ़ोतरी

मुंबईः ऐसा प्रतीत होता है कि राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-पोस्ट ग्रेजुएशन (एनईईटी-पीजी) कट-ऑफ को 'शून्य' प्रतिशत तक कम किए जाने के परिणामस्वरूप, राज्य के कई मेडिकल कॉलेजों ने पीजी पाठ्यक्रमों के लिए अपनी फीस कई गुना बढ़ा दी है। प्रवेश प्रक्रिया के बीच में. अचानक बढ़ोतरी, जो बड़े पैमाने पर संस्थान और गैर-नैदानिक शाखाओं की अनिवासी भारतीय (एनआरआई) कोटा सीटों को प्रभावित करती है, प्रवेश के तीसरे और अंतिम नियमित दौर से पहले आई, जहां चयनित उम्मीदवारों को अपनी आवंटित सीटों की पुष्टि करने की आवश्यकता होती है, अन्यथा वे काउंसलिंग प्रक्रिया से हटाया जाए.इन कॉलेजों में आवेदन करने वाले कई अभ्यर्थी असमंजस में हैं, क्योंकि वे कॉलेजों द्वारा मांगी जा रही अतिरिक्त राशि का भुगतान करने में खुद को असमर्थ पा रहे हैं।

यह बढ़ोतरी, जो कि 3 से 22 लाख रुपये तक है, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सभी श्रेणियों में एनईईटी-पीजी के लिए योग्यता प्रतिशत के लिए कट-ऑफ को शून्य करने के कुछ दिनों बाद आई है, जिससे सभी उम्मीदवार प्रवेश के लिए पात्र हो गए हैं। जहां इस फैसले से कई उम्मीदवारों को राहत मिली, वहीं कुछ हलकों से इसकी आलोचना भी हुई, जिन्होंने दावा किया कि इससे चिकित्सा शिक्षा के स्तर में गिरावट आएगी।उनका मानना है कि मेडिकल कॉलेजों के आदेश पर प्रवेश मानदंड में ढील दी गई थी, जो अपनी सभी सीटें भरना चाहते थे, खासकर अपेक्षाकृत कम लोकप्रिय गैर-नैदानिक विभागों में। अचानक बढ़ोतरी से संस्थान और गैर-नैदानिक शाखाओं की अनिवासी भारतीय (एनआरआई) कोटा सीटें काफी हद

तक प्रभावित होती हैं।

छात्रों को अधर में छोड़ दिया गया

अधिकांश कॉलेजों ने पैथोलॉजी, फिजियोलॉजी, एनेस्थिसियोलॉजी और कम्युनिटी मेडिसिन जैसी गैर-नैदानिक शाखाओं में 35% संस्थान कोटा और 15% एनआरआई कोटा सीटों के लिए फीस बढ़ा दी है। कुछ कॉलेजों ने राज्य कोटे की फीस भी बढ़ा दी है। कॉलेजों ने पहले इन शाखाओं के लिए तुलनात्मक रूप से कम फीस निर्धारित की थी, क्योंकि उनमें अक्सर कम खरीदार होते थे। संशोधित फीस राज्य शुल्क नियामक प्राधिकरण (एफआरए) द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर है, जो कॉलेजों को संस्थान और एनआरआई कोटा सीटों के लिए राज्य कोटा सीटों से क्रमशः चार गुना और पांच गुना शुल्क लेने की अनुमति देता है।

स्वास्थ्य परिषद सेवा महानिदेशालय की चिकित्सा परामर्श समिति ने शनिवार को एक नोटिस जारी किया, जिसमें उम्मीदवारों से अखिल भारतीय सीटों के लिए आगामी रिक्ति दौर के लिए आवेदन करने से पहले कॉलेजों की नई फीस संरचना की जांच करने के लिए कहा गया। हालाँकि, राज्य प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने वाले कई उम्मीदवार जब तीसरे प्रवेश दौर के लिए अपने विकल्प भर रहे थे तो वे शुल्क संशोधन के बारे में अनभिज्ञ थे।एक उम्मीदवार, जिसने शुल्क वृद्धि का सामना करने वाले कई कॉलेज-विशेषज्ञता संयोजनों का चयन किया था, का कहना है कि यदि उसे प्रभावित सीटों में से एक मिलती है तो वह फीस का भुगतान नहीं कर पाएगा और परिणामस्वरूप, उसे प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाएगा।''हमें संशोधित फीस के बारे में नहीं पता था क्योंकि हमने कॉलेजों द्वारा अपलोड की गई पिछली शुल्क संरचना का हवाला दिया था। कोई कॉलेज की वेबसाइटों की जाँच क्यों करता रहेगा? इसके अलावा, राज्य कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) सेल द्वारा कोई सूचना नहीं दी गई थी। क्या है हमारी गलती?'' उसने कहा।

अधिकारियों ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया

सेल के एक अधिकारी ने कहा कि वे हस्तक्षेप करने में असमर्थ हैं क्योंकि मामला एफआरए से संबंधित है। एफआरए के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विजय अचलिया (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इस मामले में प्राधिकरण की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा, ''कॉलेजों को एफआरए की सीमा के भीतर फीस वसूलने का अधिकार है। अगर कॉलेजों द्वारा सीमा से अधिक फीस वसूलने की शिकायत आती है तो हम कार्रवाई करेंगे।'' हालांकि, मेडिकल शिक्षा परामर्शदाता मुजफ्फर खान ने कहा कि काउंसलिंग प्रक्रिया के बीच में फीस में संशोधन करना छात्रों के साथ अन्याय है। ''कॉलेजों ने फीस बढ़ा दी क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि अब वे निचली रैंक के उम्मीदवारों से अधिक पैसा वसूल पाएंगे, जिनका पहले चयन नहीं हुआ होगा। यदि सेल ने तीसरे राउंड के फॉर्म भरने से पहले एक नोटिस जारी किया होता, छात्रों ने सोच-समझकर विकल्प चुने होंगे,'' उन्होंने कहा।

2 वर्षों में यातायात उल्लंघनकर्ताओं द्वारा 6 करोड़ मूल्य के 23% चालान नहीं चुकाए गए

मुंबई : एक चौंकाने वाले रहस्योद्घाटन में, पिछले 22 महीनों में विभिन्न यातायात नियमों का उल्लंघन करने के लिए यातायात पुलिस विभाग द्वारा मोटर चालकों को जारी किए गए 23% से अधिक चालान अपराधियों द्वारा भुगतान नहीं किए गए हैं। मीरा भयंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस से जुड़े यातायात विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2022 से सितंबर 2023 तक यातायात पुलिस द्वारा कुल 3,44,327 चालान जारी किए गए, जिनके खिलाफ देय जुमार्ना अधिक है। 20.17 करोड़ रुपये से ज्यादा. जहां 2,63,532 अपराधियों ने 14.12 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान करके चालान का भुगतान किया है, वहीं 6.05 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वाले 80,795 चालान का भुगतान नहीं किया गया है। ''हालांकि अवैतनिक चालानों की संख्या 20% से ऊपर है, हमारी यातायात शाखा राज्य में अन्य समकक्षों की तुलना में वसूली के मामले में शीर्ष पर है। हम ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) से लैस ई-चालान उपकरणों की मदद से पिछले जुमार्ने की वसूली करके अवैतनिक बकाया के बोझ को कम करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक चालान प्रणाली को मौके पर ही जुमार्ना वसूलने में सक्षम बनाता है। डीसीपी प्रकाश गायकवाड ने कहा. ई-चालान या तो एएनपीआर कैमरे या सीसीसी में यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा उत्पन्न होते हैं मैन्युअल जुमार्ने के अलावा, 639 ई-चालान या तो स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरों द्वारा या मीरा भयंदर नगर निगम (एमबीएमसी) द्वारा स्थापित कमांड और कंट्रोल सेंटर (सीसीसी) पर कैमरा फुटेज देखने वाले ट्रैफिक पुलिस कर्मियों द्वारा उत्पन्न किए गए हैं। अप्रैल, 2023 से भयंदर पूर्व में ज्यादातर मामले सिग्नल जंपिंग, मोबाइल फोन पर बात करने या बिना सीट बेल्ट के गाड़ी चलाने, बिना हेलमेट और ट्रिपल सीट सवारी से संबंधित हैं। विशेष रूप से, जिन मोटर चालकों को दंडित किया गया है, उनके बारे में कहा जाता है कि वे बार-बार अपराध करते हैं। 198 वार्डन के अलावा, काशीमीरा ट्रैफिक यूनिट में 105 कर्मचारी हैं, जिनमें चार अधिकारी और 101 कर्मचारी शामिल हैं, जो 60 हाथ से चलने वाले ई-चालान उपकरणों से लैस हैं। इस बीच, यातायात पुलिस ने नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर पूरे जुड़वां शहर में अपने सीसीटीवी कैमरा तंत्र को बढ़ाने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है।

मुंबई में मनसे के बाद शिवसेना आक्रमक

कार्यकर्ताओं ने गुजराती बोर्ड तोड़कर लगाया मराठी बोर्ड

मुंबई : वर्तमान में मराठी लोगों के साथ हो रहे अत्याचार को लेकर कई मामले सामने आ रहे है। ऐसे में अब संभावना है कि मुंबई में एक बार फिर मराठी बनाम गुजराती विवाद भड़क उठेगा। जी हां जैसा की हम सब जानते है मुंबई की एक मराठी महिला तृप्ति देवरुखकर को कुछ दिन पहले मुलुंड में किराए पर ऑफिस देने से मना कर दिया गया था। फिर मनसे ने अपने अंदाज से सोसायटी के सेक्रेटरी को इस मामले में खरी खोटी सुनाई थी। इसके बाद मनसे ने मुंबई में गुजराती बोर्ड, पोस्टर को लेकर पर अपना अभियान शुरू किया। लेकिन अब इस मामले में मनसे ही नहीं बल्कि इस मुद्दे पर शिवसेना ठाकरे गुट भी आक्रामक हो गया है।

जी हां सामने आ रही खबर के मुताबिक, मुंबई के घाटकोपर में गुजराती भाषा में लगे बोर्ड को ठाकरे ग्रुप के कार्यकर्ताओं ने तोड़ दिया है। घाटकोपर पूर्व में पार्क के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए गुजराती नाम मारू घाटकोपर को शिवसेना ठाकरे समूह के शिवसैनिकों ने तोड़-फोड़ कर हटा दिया है।

गुजराती बोर्ड किया तोड़फोड़

जानकारी के लिए आपको बता दें कि पिछले कुछ दिनों से इस गुजराती नाम को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा था। मनसे ने भी इस नाम को हटाने की मांग की, लेकिन आधी रात को शिवसेना ठाकरे गुट के शिवसैनिकों ने इसमें तोड़फोड़ कर दी। इससे एक बार फिर मराठी-गुजराती विवाद भड़कने की आशंका है। ऐसे में अब देखना यह होगा कि इस मामले में आगे क्या होता है।

MNS महासचिव ने किया ट्वीट

बता दें कि मनसे महासचिव अखिल चित्रे ने इस बारे में ट्वीट किया और कहा कि एक समाचार चैनल को जानकारी देते हुए मुंबई नगर निगम के सहायक अभियंता ने कहा कि चूंकि घाटकोपर की स्थानीय भाषा गुजराती है, इसलिए गुजराती भाषा में बोर्ड लगाना गलत नहीं है। इन साहब को ये नहीं भूलना चाहिए कि घाटकोपर मुंबई में है और मुंबई महाराष्ट्र में है और यहां की राजभाषा मराठी है। ऐसे में अब देखना यह होगा की महाराष्ट्र में क्या फिर एक बार गुजराती बनाम मराठी विवाद होगा, क्या इस स्थिति का जल्द निपटारा होगा।

मुंबई-पुणे रेलवे ट्रैक पर मिले थे पत्थर; उदयपुर-जयपुर वंदे भारत के पटरियों पर भी पत्थर-रॉड मिली थी

मुंबई : रेलवे अधिकारियों को 6 अक्टूबर को मुंबई-पुणे रेलवे ट्रैक पर कई जगहों पर पत्थर रखे हुए मिले। रेलवे स्टाफ को ट्रैक की जांच करने के दौरान घटना की जानकारी मिली। गनीमत यह रही कि किसी प्रकार का कोई हादसा नही हुआ। सेंट्रल रेलवे के उढफ्ड शिवाजी मानसुरे ने बताया कि घटना शुक्रवार दोपहर करीब 3.40 बजे पुणे-मुंबई अप लाइन पर हुई। इस बीच हमारी पेट्रोलिंग टीम पहले से ही उस सेक्शन में थी। टीम ने पाया कि पांच अलग-अलग जगहों पर ट्रैंक पर बोल्डर रखे हुए हैं। इसमें एंटी सोशल एक्टीविटी की आशंका थी। इसके बाद टीम ने बोल्डर्स को तुरंत हटा दिया।

फिलहाल मामले में रेलवे के अधिकारी जांच में जुटे हैं। हालांकि, ये पहला मामला नही हैं। हाल ही में उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस के ट्रैक पर भी पत्थर और लोहे की छड़ें मिली थी। इसे लोकोमोटिव पायलटों ने देख लिया था और इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com